दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-194
मुरादाबाद
(Tuesday)
05 November 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

यूपी, पंजाब और केरल की 14 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की तारीख बदली, त्योहारों की वजह से लिया गया फैसला

कांग्रेस, भाजपा, बसपा, रालोद और अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के अनुरोध पर और कम मतदान की किसी भी संभावना को खारिज करने के लिए चुनाव आयोग ने तीन राज्यों केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर से 20 नवंबर तक पुनर्निर्धारित किया है।उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल की 14 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की तारीख बदल दी गई है। इन सीटों पर अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, विभिन्न त्योहारों के कारण केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर से 20 नवंबर को पुनर्निर्धारित कर दिया गया है। नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे। इस वजह से लिया गया फैसला- बताया गया कि कांग्रेस, भाजपा, बसपा, रालोद और अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के अनुरोध पर और कम मतदान की किसी भी संभावना को खारिज करने के लिए चुनाव आयोग ने तीन राज्यों केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव 13 नवंबर से 20 नवंबर तक पुनर्निर्धारित किया है। जानकारी के मुताबिक, प्रकाश पर्व और तुलसी विवाह जैसे पर्वों की वजह से चुनाव की तारीख बदल दी गई है।यहां-यहां बदली तारीखें- जिन सीटों के उपचुनाव की तारीखों में बदलाव किया गया है, उनमें केरल की पलक्कड़ सीट शामिल है। इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, गिद्दरबाहा और बरनाला विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीख बदल दी गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, सीशामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझगवां में मतदान की तारीख में बदलाव किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी को दी चुनौती, बोले- देश की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची है

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %आम नागरिकों से उनका सारा पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल मचाई है, उस पर एक नजर डालिए! यहां तक कि त्योहारों का उल्लास भी भारत की अर्थव्यवस्था को उत्साहित नहीं कर सका।%कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा की %जनविरोधी% नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह कर रही हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि वह विपक्ष के खिलाफ %झूठ% बोलने के बजाय भविष्य की अपनी चुनावी रैलियों में देश के असल मुद्दों पर बोलें। खरगे ने कहा कि फर्जी बयानबाजी, जनकल्याण के असल मुद्दों की जगह नहीं ले सकती। %अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची है%- कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %आम नागरिकों से उनका सारा पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल मचाई है, उस पर एक नजर डालिए! यहां तक कि त्योहारों का उल्लास भी भारत की अर्थव्यवस्था को उत्साहित नहीं कर सका। अर्थव्यवस्था कम खपत, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती असमानता, निवेश में कमी और वेतन में ठहराव की कमी से जूझ रही है।% खरगे ने आरोप लगाया कि उद्योग जगत के दिग्गज भी कह रहे हैं कि देश का मध्यम वर्ग सिमट रहा है मध्यम वर्ग को बड़ा झटका दे रही है।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत, कई घायल

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है।उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। पीएमओ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार देने की घोषणा की। पीएम नरेंद्र मोदी ने बस हादसे पर शोक-संवेदना प्रकट की- पीएम नरेंद्र मोदी ने अल्मोड़ा सड़क हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, %उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है।%बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 36 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। बस में सवार थे 55 से ज्यादा यात्री- बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 36 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी है। सीएम ने किया मुआवजे क एलान, एआरटीओ प्रवर्तन निलंबित- सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए। सीएम ने मृतक परिजनों को 4-4 लाख रूपये और घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश दिया है। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए गए हैं।सीएम धामी ने दिए बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश- सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन,आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए। डीएम देहरादून को भी रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख के लिए विशेष रूप से वहां भेजा जा रहा है। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई हैं।रेस्क्यू और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख- अल्मोड़ा में हुए हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया। उन्होंने लिखा कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

यूपी कैबिनेट बैठक: अब पांच के बजाए तीन साल में हो सकेगा शिक्षकों का तबादला, 27 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 27 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर निर्णय लिया गया। शिक्षक अब पांच वर्ष की न्यूनतम सेवा की जगह सिर्फ तीन साल बाद ही स्थानांतरण करवा सकेंगे। बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में पैरावेट के लिए डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए भी नीति को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश सरकार ने नई शीरा नीति को मंजूरी दे दी है। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। पिछली बार की तरह देसी मदिरा के लिए 19 फीसद शीरा मुहैया कराया जाएगा। चीनी मिलों को 20 रुपए कुंतल विनियामक शुल्क देना होगा। लघु उद्योगों को भी शीरा मुहैया कराने की व्यवस्था है।

पचास से कम छात्र संख्या वाले स्कूल बंदी की बात पर गरमाई प्रदेश की सियासत, मायावती-प्रियंका हुईं हमलावर

पी में वह प्राथमिक स्कूल बंद हो सकते हैं जिनमें छात्र संख्या पचास से कम है। इस निर्देश के बाद बसपा और कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की कम होती संख्या को लेकर ऐसे विद्यालयों का पास के विद्यालयों में संविलियन (मर्ज) कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत 50 से कम नामांकन वाले विद्यालयों को चिह्नित कर उनके पास के विद्यालय में भेजने को लेकर सभी जिलों में रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। वहीं जर्जर विद्यालयों को भी एक महीने में ध्वस्त कराने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है। इस तरह के निर्देशों के बाद प्रदेश में सियासत गरमा गई है। बसपा सुप्रीमों मायावती और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। प्रियंका ने कहा कि यह दलित और पिछड़ों के खिलाफ फैसला - उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है। यह कदम शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ दलित, पिछड़े, गरीब और वंचित तबकों के बच्चों के खिलाफ है। यूपीए सरकार शिक्षा का अधिकार कानून लाई थी जिसके तहत व्यवस्था की गई थी कि हर एक किलोमीटर की परिधि में एक प्राइमरी विद्यालय हो ताकि हर तबके के बच्चों के लिए स्कूल सुलभ हो।कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का मकसद मुनाफा कमाना नहीं बल्कि जनता का कल्याण करना है। भाजपा नहीं चाहती कि कमजोर तबके के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम छात्रों वाले बदहाल 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने का फैसला उचित नहीं है। ऐसे में गरीब बच्चे आखिर कहां और कैसे पढ़ेंगे। राज्य सरकार को दूसरे स्कूलों में उनका विलय करने के बजाय उनमें जरूरी सुधार करके बेहतर बनाने के उपाय करने चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि यूपी व देश के अधिकतर राज्यों में खासकर प्राइमरी व सेकंडरी शिक्षा का बुरा हाल है। इसकी वजह से गरीब परिवारों के करोड़ों बच्चे अच्छी शिक्षा से दूर होने के साथ सही शिक्षा से भी वंचित हैं। ओडिसा सरकार द्वारा कम छात्रों वाले स्कूलों को बंद करने का फैसला भी अनुचित है। सरकारों की इसी गरीब व जनविरोधी नीतियों का परिणाम है कि लोग प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने को मजबूर हो रहे हैं। जैसा कि सर्वे से स्पष्ट है, लेकिन सरकार द्वारा शिक्षा पर समुचित धन व ध्यान देकर इनमें जरूरी सुधार करने के बजाय इनका बंद करना ठीक नहीं है। बैठक में दी गई है यह जानकारी- हाल ही में प्रदेश के सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक व बेसिक शिक्षा अधिकारियों की बैठक में यह जानकारी दी गई कि इस सत्र में बच्चों की संख्या 1.49 करोड़ है। वहीं केंद्र सरकार द्वारा विद्यालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील व औचित्यपूर्ण बनाने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्र ने अपेक्षा की है कि कम नामांकन वाले विद्यालयों का पास के अन्य विद्यालयों में संविलियन (मर्ज) करने की सम्भावना देख ली जाए। 50 से कम नामांकन वाले प्राथमिक विद्यालयों से जुड़ी प्रक्रिया प्राथमिकता पर पूरी की जाए। इसे ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार की जाए कि उस ग्राम पंचायत में मानक विद्यालय है या नहीं। किस विद्यालय को पास के अन्य विद्यालय में मर्ज किया जा सकता है। बच्चों को कितनी दूरी तय करनी होगी, भवन व शिक्षकों, परिवहन की उपलब्धता, नहर, नाला, सड़क या हाईवे आदि को देखते हुए हर विद्यालय के लिए रिपोर्ट तैयार की जाए।

संपादकीय Editorial

Electoral guarantees exposed

Father of the nation Mahatma Gandhi had said that he can allow theft, but not freebies.' The current Prime Minister Modi has also warned many times that freebies are very harmful for the country's economy. Despite these statements, the politics of freebies and guarantees is going on in the country today. Guarantees are announced as alms during elections, but after the formation of the government, excuses are made, evasions are made, reviews are taken as a cover, so guarantees are often not implemented. The result of freebies or freebies is that the country has a debt of about Rs 176 lakh crore. This debt must have been taken for capital expenditure and infrastructure construction too! Many countries' economies do not have as much debt as we have. All the states of the country are drowned in debt. If anyone claims to be in 'surplus', then he is lying. He is fooling the people of the country. Let us try to understand the issue through two main examples. The Government of India is distributing 5 kg of free foodgrains per month to more than 81 crore people. This scheme will run till the end of 2028. This scheme had to be started due to the Corona epidemic, but now the effects of Corona have ended. Markets are open. Economic activities are going on well. Still, why has the government kept such a large population dependent? Rs 11.80 lakh crore will have to be spent on free foodgrains in five years. The second major scheme is PM Kisan Samman Nidhi. Under this, farmers are given Rs 2000 every four months. Rs 6000 is deposited in their bank accounts annually. This amount is distributed among about 8-9 crore farmers. A total of Rs 60,000 crore is said to be spent on this. Anyway, there are more than 100 such schemes of the central government, in which the amount goes into bank accounts or is given as subsidy. Whether these schemes are freebies or freebies or come under the category of public welfare, the government should define them differently. How can there be a beneficiary in one context and a freebie in another? How can electricity, water, bus travel, education, health, loan waiver, etc. be provided for free? After all, the money belongs to the average taxpayer of the country. For the latest context, the moral courage of Congress President Mallikarjun Kharge should be appreciated, who reprimanded his own party's Karnataka government in view of the guarantees and showed it the mirror. He clearly said that promises should be made that are in accordance with the budget and can be fulfilled. If guarantees are announced 'quickly, quickly', then the state may go bankrupt. The government may fail. If the promises are not fulfilled, then people will not elect a Congress government for 10 years. Mallikarjun Kharge has indirectly rejected the guarantees of Rahul-Priyanka Gandhi, which were to be given 'at the drop of a hat' after the Lok Sabha elections. If a family has to get one lakh rupees annually 'free', then the country's economy will be ruined. This advice and warning of the Congress President is not limited to the Congress governments only, but he has also warned the Maharashtra and Jharkhand Congress not to announce 5, 6, 7, 8 or 10 guarantees in the elections. Make such promises which can be fulfilled through the budget and ultimately the public can get benefit and relief. This tradition of freebies started in the 1970s, when the process of distributing freebies started in the states of South India. Now there is no state which does not have a debt of lakhs of crores of rupees. BJP-ruled states are also debtors, so Prime Minister Modi should not say that the situation is worse in Congress-ruled states. If we look at the figures of MP and UP, the truth of their guarantees will also be exposed. The 'Laadli Behna Yojana' announced by the Maharashtra government will cost.

The government should worry about everyone's interests, only then will the dream of a developed India come true

Modi government Keeping in mind the equality mentioned in the Constitution, the government should not worry only about the interests of government employees. It should worry about everyone under the slogan 'Sabka Saath-Sabka Vikas'. It should not give the message that it is more ready and sensitive to protect the interests of government employees. Recently, the central government announced an increase of 20 to 100 percent in the compassionate allowance of its pensioners above 80 years of age. This will be additional pension. This decision of the government is surprising. Why is it showing so much kindness? Has it done any study that the financial condition of retired government employees above 80 years of age is not good? By this age, people's needs become minimal, then why such an increase in compassionate allowance? If we consider from a human point of view, it is the responsibility of every welfare government to take care of the elderly, the disabled and the poor and the governments are fulfilling it to the best of their ability, but when our situation is not very good on the scale of prosperity, then we should first worry about the young generation, newborns, their mothers and laborers, and not about those elderly people, whose life in government jobs is already better than the common man of the country on all parameters. Employees get many facilities while in government jobs. They get a good pension even after retirement. Recently, the government has increased the dearness allowance by three percent. All government employees get medical facilities free of cost. In railways and some other departments, employees get government passes for travel after retirement, while in defense and other jobs, they get goods etc. at concessional rates. While in job, they get the facility of government house, car etc. for commuting to and from office, travel allowance, leave encashment, bonus etc. There are about 35 lakh government employees and 70 lakh pensioners in central services. Due to medical and other facilities, the average age of people has also improved today. This is the reason that the burden of pensioners in the government budget is almost double that of the current government employees. Due to all these reasons, in 2004, with everyone's consent, a new pension scheme was implemented instead of the old pension scheme. Seeing the dissatisfaction towards it, the government has brought a unified pension scheme for government employees. A good welfare government is one that cares about every citizen of the country. In this country, even after spending a lifetime in the private sector, satisfactory minimum pension facility is not available for crores of employees. The minimum pension of these employees is only one thousand rupees. After all, why should not private sector employees get a pension like government employees? Government employees are hardly one percent in the country. After all, what does the government have to give to 99 percent of the people? Today farmers are doomed to leave villages and become laborers in cities. Does the government have any scheme for women working at home? Recently, news came that the government is considering menstrual leave every month for its female employees as well. Will private companies give such leave to their working women? Child care leave was started 20 years ago for women working in government services. They can stay at home with salary and facilities for two years for the education of their children up to 18 years of age. Now some state governments have started giving leave to fathers as well. Earlier, maternal leave was for three months, now government employees get six months, while the children of working women keep roaming on roads and parks in summer and rain. If state governments also start trying to distribute such freebies on the lines of the central government, then what will happen to the economic condition of the country? The example of Punjab and Himachal Pradesh is before us. It would be better if governments invest capital in such industries along with infrastructure, which generate maximum employment. Instead of worrying so much about the elderly, it is more important to provide employment opportunities to the new generation. Ample facilities in government jobs and lack of facilities in private and unorganized sectors have bad effects on the society. Today every youth of the country wants to go to a government job. Young men with engineering or PhD degree come forward for the job of a peon. Such facilities and freebies are the reason for corruption in the recruitment of government jobs. This is the reason why politicians first announce government jobs before elections. Do people from the private sector work less than government employees? Is their work less challenging? Do they get facilities like government employees? If not, why? Do government school teachers also send their children to government schools? Now even those who teach in colleges send their children to England, Canada and America. Just last week, Vice President Jagdeep Dhankhar had expressed concern that children are running away to study abroad. Last year, 14 lakh children went abroad to study. Billions of rupees were spent abroad in this. In such a situation, keeping in mind the equality that has been talked about in the Constitution, the government should not worry about the interests of only government employees. It should worry about everyone under the slogan of Sabka Saath-Sabka Vikas. It should not give the message that it is more ready and sensitive to protect the interests of government employees.

Shameful surrender of Indian cricket team in front of New Zealand

While discussing the reasons for the defeat, it is natural to underline whether the IPL is having an adverse effect on Team India. Certainly, a thorough review should be done as to why the Indian cricketers performed so poorly. While doing so, it should not be forgotten that giving undue importance to T-20 cricket has its own disadvantages. The way the Indian cricket team lost the three-Test series to New Zealand is not only shameful but also tarnishes the reputation of Team India. This is the first time that the Indian team has been wiped out in a series of more than two Test matches. This defeat is more painful because the Indian team was not seen competing with New Zealand anywhere in Bengaluru, Pune and Mumbai. In fact, that is why it is also being called a surrender in front of New Zealand. This surrender is also more painful because for most of the series, the Indian batsmen looked helpless in front of spin bowling and questions were raised on their playing skills. After being beaten so badly by New Zealand in their own home, the possibility of a disappointing performance in the Australia tour has increased. After losing the series to New Zealand, it is unlikely that the Indian team will be able to make it to the final of the World Test Championship. There are wins and losses in sports, but it hurts when a team does not show the will to win. This was seen in this series. On very few occasions in all three matches, it seemed that the Indian cricketers were playing to win or avoid defeat. The Indian team has only lost the prestige and appreciation it had earned after winning the T20 World Cup with its poor performance. There were indications that everything is not right in the Indian team when it failed in the ODI series in Sri Lanka after winning the T20 World Cup. After this, the Indian team dominated Bangladesh in the Test series on home grounds, but it looked helpless and incapable in front of the relatively strong New Zealand.

The entire team is responsible for the shameful defeat at the hands of New Zealand, but the biggest responsibility lies with captain Rohit Sharma and former captain Virat Kohli, who could not do anything in the entire series. When such senior and famous players fail continuously, it also affects other players of the team. Along with this, this result also puts new coach Gautam Gambhir in the dock, who could not motivate the team to perform well despite the advantage of home conditions. While discussing the reasons for the defeat, it is natural to underline whether the IPL is having a negative impact on Team India. Certainly, a thorough review should be done as to why the Indian cricketers performed so poorly. While doing so, it should not be forgotten that giving undue importance to T20 cricket has its own disadvantages. One major disadvantage is that the senior players are not giving priority to first-class cricket to hone their skills.Certainly, a thorough review should be done as to why the Indian cricketers performed so poorly. While doing so, it should not be forgotten that giving undue importance to T-20 cricket has its own disadvantages. The way the Indian cricket team lost the three-Test series to New Zealand is not only shameful but also tarnishes the reputation of Team India. This is the first time that the Indian team has been wiped out in a series of more than two Test matches. This defeat is more painful because the Indian team was not seen competing with New Zealand anywhere in Bengaluru, Pune and Mumbai. In fact, that is why it is also being called a surrender in front of New Zealand. This surrender is also more painful because for most of the series, the Indian batsmen looked helpless in front of spin bowling and questions were raised on their playing skills. After being beaten so badly by New Zealand in their own home, the possibility of a disappointing performance in the Australia tour has increased. After losing the series to New Zealand, it is unlikely that the Indian team will be able to make it to the final of the World Test Championship. There are wins and losses in sports, but it hurts when a team does not show the will to win. This was seen in this series. On very few occasions in all three matches, it seemed that the Indian cricketers were playing to win or avoid defeat. The Indian team has only lost the prestige and appreciation it had earned after winning the T20 World Cup with its poor performance. There were indications that everything is not right in the Indian team when it failed in the ODI series in Sri Lanka after winning the T20 World Cup. After this, the Indian team dominated Bangladesh in the Test series on home grounds, but it looked helpless and incapable in front of the relatively strong New Zealand. The entire team is responsible for the shameful defeat at the hands of New Zealand, but the biggest responsibility lies with captain Rohit Sharma and former captain Virat Kohli, who could not do anything in the entire series. When such senior and famous players fail continuously, it also affects other players of the team. Along with this, this result also puts new coach Gautam Gambhir in the dock, who could not motivate the team to perform well despite the advantage of home conditions. While discussing the reasons for the defeat, it is natural to underline whether the IPL is having a negative impact on Team India. Certainly, a thorough review should be done as to why the Indian cricketers performed so poorly. While doing so, it should not be forgotten that giving undue importance to T20 cricket has its own disadvantages. One major disadvantage is that the senior players are not giving priority to first-class cricket to hone their skills.

नहाय-खाय से शुरू होगा सूर्योपासना का महापर्व छठ, लाइनपार में ड्रोन से होगी व्रती महिलाओं पर पुष्पवर्षा

घाटों व सरोवरों की साफ-सफाई में जुटे संस्थाओं के पदाधिकारी

मुरादाबाद- सूर्योपासना का छठ महापर्व 5 नवंबर से नहाय, खाय से शुरू होगा। घाटों व सरोवरों की सफाई व अन्य तैयारियों में आयोजन संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य आदि जुट गए हैं। छठ महापर्व के लिए नगर निगम की ओर से अभी घाटों पर सफाई में कमी है। पदाधिकारियों का कहना है कि सोमवार से सफाई में तेजी आएगी। इसके लिए नगर निगम के अधिकारियों से बातचीत की गई है। छठ महापर्व के लिए सोमवार से घाटों पर साफ-सफाई शुरू होगी। इसके लिए संस्थाओं के पदाधिकारी नगर निगम के अधिकारियों के संपर्क में हैं। हर साल की तरह इस बार भी महानगर के बुद्वि विहार, लाइनपार और आशियाना स्थित रामगंगा नदी के घाट पर पूजा अर्चना की जाएगी। इस बार 5 से 8 नवंबर तक यह पर्व चलेगा। संस्था के पदाधिकारियों की मानें तो आयोजन में 11,000 से अधिक लोग शामिल होंगे। लाइनपार में ड्रोन से व्रती महिलाओं पर पुष्प वर्षा मुख्य आकर्षण होगा। पूर्वांचलवासी संस्था के सचिव अमित कुमार दुबे ने बताया कि छठ का पर्व संतान की लंबी उम्र व उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए मनाया जाता है। इस पर्व की एक कथा के अनुसार सूर्य की बहन षष्ठी देवी नवजात बच्चों की रक्षा करती हैं। इसलिए माताएं इस पर्व को अपनी संतान की लंबी उम्र और उन्नति के लिए व्रत रखती हैं। इतना ही नहीं कि अंगराज कर्ण जो सूर्य के पुत्र और भक्त थे, उन्होंने सूर्योपासना व

छठ व्रत से राज्य और वैभव प्राप्त किया था। उन्होंने ही छठ व्रत की परंपरा को शुरू किया था। हालांकि इस व्रत से पुरुषों को बल और वैभव की प्राप्ति भी होती है। इसलिए छठ व्रत पुरुष भी रखते हैं। छठ व्रत में जल में खड़े होकर सूर्य की उपासना की जाती है। माना जाता है कि इस तरह सूर्य की उपासना करने से आरोग्य सुख की प्राप्ति होती है। आदर्श छठ पूजा समिति के अध्यक्ष वार्ड 22 लाइनपार के डीपी सिंह ने बताया कि पूजा स्थल के पास सोमवार को साफ-सफाई कराई जाएगी। सर्वजन हिताय संस्था के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि आशियाना स्थित रामगंगा नदी के घाट पर साज सजावट की जा रही है। कहा कि छठ व्रत करने वाली महिलाओं के द्वारा घर की पूरी साफ सफाई की जा रही है, क्योंकि छठ पर्व में शुद्धता ,साफ सफाई का बहुत बड़ा महत्व होता है। छठ पूजा के लिए सूप, फल, सिंघाड़े, नये वस्त्र, गन्ना आदि की खरीदारी की जा रही है। उधर रेलवे हरथला कालोनी स्थित जीआरपी मैदान में भी साफ-सफाई की तैयारी हो गई है। सोमवार को साफ-सफाई शुरू कर दी जाएगी। पीके पांडे, पंडित तेज नारायण मिश्रा, नीरज कुमार राय, जोगिंदर सिंह, धनंजय मिश्रा, अजीत सिंह,पंकज केसरी आदि ने बताया कि छठ महापर्व परंपरागत उल्लास से मनाया जाएगा। छठ पर्व 5 नवंबर से शुरू हो रहा है। इसकी तैयारी की जा रही है। 250 व्रती महिलाएं जल में उतरकर पूजा अर्चना करेंगी। छठ पूजा करने वाली महिलाओं पर ड्रोन से पुष्प वर्षा की जाएगी। फिलहाल नाला चोक पड़ा है। इसकी सफाई सोमवार को निगम द्वारा कराई जाएगी।-अंकित ठाकुर, उपसचिव पूर्वांचलवासी संस्था हम लोगों ने छठ पूजा को लेकर घरों में साफ-सफाई करनी शुरू कर दी है। यह पर्व 5 नवंबर से नहाय खाय से शुरू होगा। इस व्रत को माताएं बच्चों की लंबी आयु और परिवार की सुख समृद्धि के लिए रखती हैं। इसमें घर की सफाई का भी विशेष महत्व होता है।-अर्चना सिंह

मुरादाबाद जिला कारागार में फहीम उर्फ एटीएम, जेल प्रशासन ने बढ़ाई सतर्कता...सिपाहियों को कमरे में बंद कर हुआ था फरार

लगभग सवा दो साल बाद जिला कारागार में एक बार फिर पहुंचा एटीएम

मुरादाबाद- एसटीएफ द्वारा पकड़ा गया शातिर बदमाशा फहीम उर्फ एटीएम लगभग सवा दो साल बाद एक बार फिर से मुरादाबाद जिला कारागार में पहुंचा है। फहीम उर्फ एटीएम के दाखिल होने के बाद से जेल प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। जनपद के थाना कांठ क्षेत्र के हत्या जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देकर अपराध की दुनिया में बड़ा हुआ था। साल 2022 मई में बिजनौर से उसे पेशी पर मुरादाबाद लाया गया और झांसा देकर उन्हें पाकबड़ा ले गया। वहां सिपाहियों को कमरे में बंद पर तत्कालीन एडीजी बरेली जोन राजकुमार ने एक लाख का इनाम घोषित मुठभेड़ के दौरान उसके पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर मुरादाबाद आने के बाद फहीम फरार हो गया था। बीते शुक्रवार रात एसटीएफ बरेली चौराहे के पास स्थित टांडा अड्डे से तमंचा के साथ गिरफ्तार कर लिया। पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में एक बार फिर जेल भेज फहीम उर्फ एटीएम मुरादाबाद जेल में है। चूंकि वह मुरादाबाद जिले का ही है, इसलिए जेल प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। फहीम एटीएम के जेल में मिलने वालों के रिकार्ड भी दर्ज किए जा रहे हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीपी बैरक में रखा गया है। लेकिन उसकी निगरानी के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं और सतर्कता बढ़ा दी गई है।

उमरी कला निवासी फहीम उर्फ एटीएम चोरी, लूट, डकैती और नाम हो गया है। एटीएम सवा दो साल पहले मुरादाबाद जेल में बंद था। दो सिपाही उसे लेकर आए थे। बाद में सिपाहियों को प्रलोभन करके वह प्रेमिका के साथ फरार हो गया था। उस समय गिरफ्तारी किया था। जिसके बाद 17 जून 2022 को पाकबड़ा थाना पुलिस ने जेल भेजा था। लेकिन 29 मई 2023 को सीतापुर जेल से पैरोल पर की टीम ने फहीम एटीएम को गलशहीद थाना क्षेत्र के संभल शनिवार को ही आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में दिया गया। इस तरह लगभग सवा दो साल बाद एक बार फिर रहने वाला है और यहां उसका अच्छा खासा अपराधिक नेटवर्क भी दाखिल होने के साथ ही उस पर विशेष नजर रखी जा रही है। उससे सिंह ने बताया कि फहीम उर्फ एटीएम को अन्य बंदियों के साथ ही

कुंदरकी विस सीट पर पुलिस सपा समर्थक मतदाताओं पर भाजपा के पक्ष में मतदान करने का दबाव बना रही

समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने रविवार को आरोप लगाया कि मुरादाबाद जिले के कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को होने वाले उप चुनाव के लिए पुलिसकर्मी सपा समर्थक मतदाताओं और कार्यकर्ताओं पर भाजपा के पक्ष में प्रचार व मतदान करने का दबाव बना रहे हैं। सपा प्रदेश मुख्यालय से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि है कि कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले चार थानों के पुलिस कर्मी व पुलिस प्रशासन द्वारा समाजवादी पार्टी के समर्थकों मतदाताओं, कार्यकर्ताओं लिए दबाव बनाया जा रहा है। इसी ज्ञापन में यह भी आरोप विधानसभा क्षेत्र में भी बिना कारण सपा समर्थकों के में मुरादाबाद जिले के थाना कुंदरकी, थाना मैनाठेर, बिलारी अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों का उल्लेख करते ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि भाजपा के पक्ष में मतदान से दो दिन पहले कुन्दरकी विधानसभा क्षेत्र से इसका पालन न करने वालों को फर्जी मुकदमे में फंसाने, धमकियां दी जा रही हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि का वातावरण बन गया है व चुनाव प्रभावित हो रहा है। विधानसभा क्षेत्र में रहे उपचुनाव को पुलिस प्रशासन व और अर्द्धसैनिक बल की देखरेख में चुनाव सम्पन्न कराया

पर भाजपा के पक्ष में प्रचार व मतदान करने के लगाया है कि आंबेडकरनगर जिले के कटेहरी वाहन जब्त किए जा रहे है। पाल ने अपने ज्ञापन आदि स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों, हुए उन्हें अन्?यत्र तैनात करने की मांग की है। मतदान व प्रचार से इनकार करने वालों को बाहर चले जाने की चेतावनी दी जा रही है और जेल भेजने, मकानों पर बुलडोजर चलवाने की पुलिस की कार्य प्रणाली से मतदाताओं में भय समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि कुन्दरकी पुलिस कर्मियों के हस्तक्षेप से मुक्त किया जाए जाए। प्रदेश में कटेहरी (आंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) समेत नौ विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा और 23 नवंबर को मतों की गिनती होगी।

संक्षिप्त समाचार

कम हुआ प्रदूषण, महानगर के तीन क्षेत्रों में संतोषजनक स्थिति में वायु गुणवत्ता सूचकांक

ईको हर्बल पार्क, जिगर कालोनी, ट्रांसपोर्ट नगर में सूचकांक 100 से नीचे आया

मुरादाबाद-महानगर में बढ़ते वायु प्रदूषण से सोमवार को लोगों को और राहत मिली। प्रदूषण कम होने से महानगर के तीन क्षेत्रों

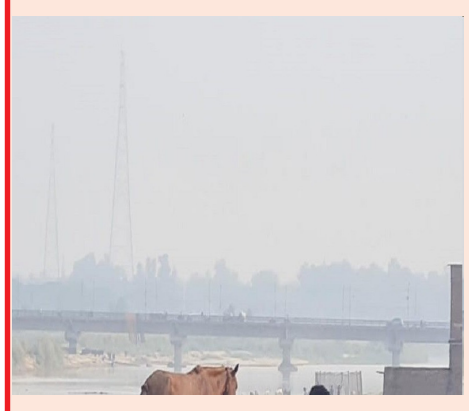

ईको हर्बल पार्क, जिगर कालोनी, ट्रांसपोर्ट नगर में सूचकांक 100 से नीचे आया। वायु गुणवत्ता सूचकांक संतोषजनक स्थिति में होने से लोगों को सांस लेने में आसानी हुई। दिवाली के दिन से लेकर अगले दो दिन तक महानगर की वायु जहरीली रही। लेकिन रविवार के बाद सोमवार की सुबह स्थिति में और सुधार आया। महानगर के ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में सोमवार सुबह 10 बजे के करीब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 96 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) रहा। जबकि जिगर कालोनी में 83 और ट्रांसपोर्ट नगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 86 भाग प्रति मिलियन रहा। जो संतोषजनक स्थिति में है। वहीं कांठ रोड स्थित सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में एक्यूआई 112, कांशीराम नगर में सर्वाधिक 129 और दिल्ली रोड पर बुद्धि विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 105 भाग प्रति मिलियन रिकॉर्ड किया गया। इन जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक प्रदूषण के लिहाज से मध्यम में रहा। जबकि दिवाली पर महानगर में हुई जमकर आतिशबाजी व दिल्ली के वायु प्रदूषण का प्रभाव महानगर में भी पड़ने से लोगों को खुली हवा में सांस लेना मुश्किल हो गया था। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का कहना है कि वायु प्रदूषण बढ़ने पर स्प्रिंकलर से सड़कों और पेड़ों पर पानी का छिड़काव कराया जाता है। लोगों से अपील है कि वह वायु को प्रदूषित करने वाले कार्यों से बचें।

मायके से रुपये नहीं लाने पर पत्नी को दूध में दिया जहर, बिगड़ी हालत...अस्पताल में भर्ती

मुरादाबाद-सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चक्कर की मिल्क में दुकान खोलने के लिए मायके से पैसे लाने से इनकार करने पर पति ने परिजनों संग मिलकर पत्नी को दूध में जहर देकर जान से

मारने का किया प्रयास। नाजुक हालत में इलाज के लिए महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी। थाना मझोला क्षेत्र के मंगपूरा में रहने वाली सुमन की शादी ढाई साल पहले थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के चक्कर की मिलक में रहने वाले विष्णु से की हुई। विष्णु शादी और होटलों पर खाना बनाने का काम करता है। दंपती के दो बच्चे भी हैं। महिला का आरोप है कि पति दुकान खोलने के लिए पांच लाख मायके से लेकर आने का लगातार दबाव बना रहा था। शराब पीकर आकर आए दिन मारपीट करता था। महिला ने बताया कि रात पति शराब पीकर घर लौटा तो दुकान खोलने के लिए मायके से पैसे लेकर आने को कहने लगा। इसका विरोध किया तो उसने परिजनों संग मिलकर दूध में जहर मिलाकर दे दिया। मायके वालों का आरोप है कि विष्णु को शराब पीने की आदत है और वो आए दिन पत्नी के साथ मारपीट करता है। पत्नी शराब पीने से रोकती है तो उसकी डंडे से पिटाई करता है। परिजनों का कहना है कि उन्होंने अपनी बड़ी बेटी को भी सुमन की ससुराल में कुछ दिन के लिए छोड़ा था ताकि वो दोनों में सुलह करा सके। लेकिन इसके बाद भी दोनों का विवाद खत्म नहीं हुआ। बीते रविवार रात को मारपीट करने के बाद रात में किसी समय विष्णु ने नाटक करते हुए पत्नी को दूध पीने के लिए दिया। दूध पीते ही महिला की हालत बिगड़ गई। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे मायके वालों ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मायके वालों को आरोप है कि दामाद ने उनकी बेटी को दूध में जहर देकर मारने का प्रयास किया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सामूहिक विवाह में युवक को शादी करना पड़ा भारी दुल्हन हो गई फरार रचा ली दूसरी शादी योजना के अंतर्गत मिले 51 हज़ार और सामान लेकर फरार

क्यूँ न लिखूँ सच -अज़हर अली

मुरादाबाद सिविल लाइंस नयागांव निवासी पीड़ित टीटू सागर ने मुरादाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपनी पत्नी के खिलाफ एक शिकायती पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग कर न्याय की गुहार लगाई है दरअसल दिए गए शिकायती पत्र में पीड़ित ने आरोप लगाते हुए बताया है कि उसकी पत्नी जिसका नाम पारुल पुत्री नेमचंद्र सिंह निवासी ग्राम बुखारपुर जिला अमरोहा के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत दिनांक 11/12/2021 को स्थान मिनी स्टेडियम मुरादाबाद में संपन्न हुआ था पति टीटू सागर का आरोप है कि मेरी पत्नी पारुल घर का सारा जेवर और सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मिलने वाली धनराशि 51 हज़ार रुपए व चढ़ाए गए सोने चांदी के गहने बा अन्य सामान लूटकर फरार हो गई पीड़ित ने यह भी बताया कि उसे ये जानकारी मिली है कि उसने किसी अन्य और व्यक्ति को अपने जाल में फंसा कर उसके साथ शादी रचा ली है वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे पीड़ित का कहना है शादी होने के बाद उसकी पत्नी अब किसी और के साथ अन्य जनपद में शादी करके कही रह रही है जिससे उसकी काफी बदनामी हो रही है पीड़ित का कहना है कि मेरे साथड्ड धोखाधड़ी हुई है जिसकी उसे सजाई मिलनी चाहिए ताकि वे ऐसा किसी अन्य और व्यक्ति के साथ ना कर सके

कोंच तहसील मे किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच (जालौन)जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार ने तहसील कोंच के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान के अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना तथा उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने निर्देशित किया कि भूमि विवादों से सम्बन्धित प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष ढंग से निस्तारण कराएं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होने यह भी निर्देशित किया कि यदि सरकारी भूमि, रास्तों/चकमार्गो एवं पट्टेदारों के भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर राजस्व व पुलिस की टीम मौके पर जाए और तत्काल अवैध कब्जा खाली कराया जाए। अब जिन क्षेत्रों में अवैध कब्जे की शिकायत मिलेगी तो सम्बंधित क्षेत्र के लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक की जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के गुणवत्ता की जांच की जायेगी, यदि निस्तारण में फर्जीवाड़ा मिला तो निश्चित ही निस्तारण करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। पुलिस अधीक्षक ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय-सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने यह भी कहा कि किसी भी थाना क्षेत्र से कोई भी फरियादी द्वारा किसी भी थानाध्यक्ष की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने की शिकायत मिली तो निश्चित ही सम्बन्धित थानाध्यक्ष के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी ने 13 सहकारी समितियों में उर्वरक की उपलब्धता हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उर्वरक की उपलब्धता और स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन कर शाम तक अपनी आख्या प्रस्तुत करें। आज सम्पूर्ण समाधान दिवस कोंच में कुल 26 प्रार्थना पत्र जिसमे राजस्व विभाग के 08, पुलिस विभाग के 07, विद्युत विभाग के 03, विकास विभाग के 04, अन्य के 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमे से मौके पर ही 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया, शेष शिकायतों को सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कोंच ज्योति सिंह, क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह, कोंच इंस्पेक्टर अरूण कुमार रॉय,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा, सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर पंचनद संगम की तैयारी का जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 15 नवंबर से शुरू होने वाले पंचनद महोत्सव और स्नान पर्व की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने आज पंचनद संगम का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं। जिलाधिकारी ने स्नान घाट पर उचित बैरियर लगाने और मेला आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मेला ग्राउंड पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं। इसके अलावा, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। इस संदर्भ में विद्युत आपूर्ति, पीने के पानी के टैंकर, सफाई व्यवस्था और जगह-जगह डस्टबिन की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए। नगर पंचायत और नगर पालिका द्वारा मोबाइल टॉयलेट्स की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया गया कि मेला में जीवन रक्षक दवाओं से युक्त दो एंबुलेंस की तैनाती की जाए। इस दौरान उप जिलाधिकारी सुरेश कुमार पाल, खण्ड विकास अधिकारी प्रशांत आदि अधिकारी मौजूद रहे।

साईकिल डेग मिठाई नमकीन व नकदी गिफ्ट में पाकर खिले मिठाई कारीगरों के चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद ~ कस्बा के विजयगढ़ चौराहा स्थित ओम स्वीट्स सेंटर की ओर दिपावली के उपलक्ष्य में मिठाई बनाने वाले करीब डेढ़ दर्जन कारीगरों को गिफ्ट के रुप में एक एक साइकिल डेग मिठाई के डिब्बे नमकीन,व नकदी मिलने पर कारीगरों के चेहरे खिल गए। कारीगरों ने बताया है कि उन लोगों को पहली बार किसी ने इतना बढ़ा दीपावली गिफ्ट दिया है। सभी ने ओम ग्रुप के स्वामी एवं प्रमुख उद्योग पति विजय यादव का आभार जताया। इस मौके पर ओमवीर सिंह यादव, डा. विवेक यादव अजय कुमार, ललित कुमार, हिमांशु, राजपालसिंह, जितेंद्र, मनसुख, डेविड, मनोज कुमार सिंह, संजीव यादव,व निखिल यादव आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख उद्योग पति विजय यादव ने अकराबाद दैनिक जागरण के बरिष्ठ पत्रकार अनार सिंह जी,पत्रकार सुधाकर उपाध्यायजी व मंडल ब्यूरो चीफ लवकुश वीआईपी ठाकुर सहाब को भी सम्मानित किया गया।

कुलपति से मुलाकात कर शैक्षिक चर्चा की कोंच के सूरज ज्ञान महाविद्यालय के प्रोफेसर आशुतोष मिश्रा मिले

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) क्रांति वीर तात्या टोपे विश्व विद्यालय गुना मध्यप्रदेश के कुलपति प्रोफेसर डॉ किशन यादव से सूरज ज्ञान महाविद्यालय कोंच के सहायक प्राध्यापक एवम भाजपा कोंच नगर महामंत्री डॉ आशुतोष कुमार मिश्रा ने भेंट कर विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा की और इस चर्चा मे कुलपति प्रोफेसर डॉ किशन यादव ने कहा की वर्तमान परिदृश्य में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वेदों एवम विज्ञान के समन्वय के साथ संचालित करने की आवश्यकता हैं।भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमे अपने प्राचीन भारतीय आदर्शों सिद्धातों एवम मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।किसी भी देश को उन्नति के लिये अपने अतीत को नही भूलना चाहिए। भारत का एक गौरव शाली अतीत रहा है।हम सपनी सांस्कृतिक विरासत संरक्षित एवम संवर्धित कर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाएंगे। इस अवसर पर डॉ आशुतोष मिश्रा ने कुल पति जी को कोंच नगर में शैक्षिक उन्नयन हेतु नगर आगमन का आमन्त्रण दिया,जिसे कुलपति जी ने सहर्ष स्वीकार कर जल्द ही कोंच नगर में शैक्षिक उन्नयन हेतु एक विचार संगोष्ठी एवम सेमिनार आयोजन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की।

बाल राम लीला का आज से शुभारम्भ सदर विधायक उरई गोरी शंकर बर्मा रहे शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) आज कई वर्षो से संचालित श्री बाल राम लीला समिति प्रताप नगर भुजरया का आज वेद मंत्रो के साथ हवन पूजन हुआ और इस राम लीला का आज से शुभारम्भ हो गया इस अवसर पर कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि उरई सदर के विधायक गौरी शंकर वर्मा विशिष्ट अतिथि कोतवाली कोंच के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय सुनील कांत तिवारी महेंद्र सोनी लला सभासद दंगल सिंह यादव राजेश्वरी यादव सीताराम अग्रवाल रामकिशोर पुरोहित ललिया विनोद दुबे दरोगा जी अरुण बाजपेयी विजय मिश्रा संजय मिश्रा दीपक मिश्रा छोटू बहरे राम मोहन अग्रवाल सुरेश अग्रवाल आदि मंचस्थ रहे और राम लीला के अध्यक्ष बृजभूषण खरे मंत्री माधव यादव सभासद उपाध्यक्ष हरि ओम यादव फतुले कोषाध्यक्ष अंचल बिलेया आदि ने आये हुये अतिथियो का माल्यापर्ण कर स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर बोलते हुये सदर विधायक गोरी शंकर वर्मा ने कहा की इस बाल राम लीला मंच से ही बड़े कलाकार अभिनय करके आये है उन्होंने कहा की राम लीला मे लोग राम के आदर्श को अपने जीवन मे उतारे, और उस पर चले उन्होंने कहा की कोंच मे अच्छे से अच्छे मंच के कलाकार है जो कोंच का नाम रोशन कर रहे है इस अवसर पर टोनी प्रशांत मिश्रा अर्पित बाजपेयी राम सहाय सेठ जानकी अग्रवाल राम दास लखेरे मून्नु निरंजन संतोष बिलेया जितेंद्र निरंजन अमित उपाध्याय आदि मौजूद रहे और राम जन्म दिन मे बारह बजे हुआ और जन्म होते ही गोले दागकर जन्म की सूचना दी गई और सभी को प्रसाद वितरित किया गया

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अकराबाद टोल प्लाजा के निकट ट्रैक्टर पर बैठे मजदूर की एंबुलेंस की टक्कर से हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र के टोल प्लाजा के निकट ट्रैक्टर पर बैठे मजदूर की एंबुलेंस की टक्कर से मौत हो गई। विलहार निवासी आबिद सोमवार सुबह करीब 8 बजे अपने साथी चंद्रपाल के साथ धनीपुर मंडी में धान की बिक्री करने आ रहे थे। आबिद पर चंद्र ट्रैक्टर के बोनट पर बैठे हुए थे। टोल प्लाजा के निकट तेज रफ्तार एंबुलेंस ने पीछे से ट्रैक्टर को टक्कर मार दी जिसके बाद दोनों सड़क पर जा गिरे थे। आबिद सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हुए थे जिसके बाद उन्हें ष्ट।ष्ट अकराबाद लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने एंबुलेंस को थाने में खड़ा कर लिया है साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

कोंच मे न्यायालय के सामने वकीलो ने काली पट्टी बांध कर विरोध किया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) जिला गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में उत्तर प्रदेश के कई जिलों के वकीलो ने विरोध प्रदर्शन किया एवं उन्होंने कहा मांगे पूरी न होने पर अनिष्चित कालीन हड़ताल करेंगे।आज कोंच में वार एसोसिएशन कोंच के वकीलो ने प्रदेश व्यापी हड़ताल के समर्थन मे विरोध प्रदर्शन किया एवं नारेबाजी की सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी इस लाठीचार्ज का विरोध किया है और योगी सरकार से कार्र वाई की मांग की है।वार एसोसिएशन कोंच के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद निरंजन ने कहा ताना शाही एवं अधिकारियों की मनमर्जी नहीं चलेगी हम सब लोग हमारे साथियो पर हुई लाठी चार्ज मामले की घोर निंदा करते हैं एवं पुलिया प्रशासन मुर्दाबाद के भी नारे लगाए इस मौके पर दीनानाथ निरंजन, उमेश व्यास,सन्दीप श्री वास्तव,अवनीश कुमार, विनय कुमार, अंकित कुमार, संजय निरंजन, सोमदत्त, रामकुमार खरे ,मोहन सिंह, रामहरि कुशवाहा,रमेश चंद्र कुलदीप आदि सैकड़ों वकील विरोध प्रदर्शन में रहे।

स्कूली बच्चों द्वारा यातायात नियमों के बारे में लघु नाटिका प्रस्तुत कर जन जागरुकता की गयी

पंचायत भवन सभागार में यातायात माह-2024 का मुख्य अतिथि डीआईजी पुलिस श्री मुनिराज जी, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी श्री अनुज सिहं एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल की अध्यक्षता में दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा यातायात नियमों के बारे में लघु नाटिका प्रस्तुत कर जन जागरुकता की गयी। इस अवसर पर डीआईजी, जिलाधिकारी, एसएसपी द्वारा पंचायत भवन परिसर में मौजूद सभी लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई तथा हरी झण्डी दिखाकर यातायात जागरुकता रैली को रवाना किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि यातायात माह में स्कूल /कालिजों में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया जायेगा। वाहन चालको/ट्रक चालकों/टैऊक्टर मालिकों एवं चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर जागरुक किया जायेगा। आटो/रिक्शा, ई-रिक्शा, बस , टैक्सी चालकों के संगठन के माध्यम से भी यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया जायेगा। कार्यक्रम में बताया गया कि सड़क दुघर्टनाओं में घातक कारकों जैसे निर्धारित गति सीमा से अधिक गति पर वाहन चलाना, मदिरा/मादक दृव्यों कर वाहन चलाना, बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाना, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग न किया जाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना, अव्यस्क व्यक्ति द्वारा किसी सार्वजनिक स्थान पर वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना इत्यादि कारकों पर रोक लगाने हेतु अभियान चलाकर जागरुकता की जाएगी। डीआईजी पुलिस श्री मुनिराज जी ने बताया कि यातायात माह प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि नाबालिक बच्चे वाहन का उपयोग न करें। उन्होंने बच्चों से कहा कि यातायात के नियमों के बारे में अपने आस पडोस व अपने घर पर जन को जागरुक करें। उन्होंने कहा कि गलत साइड से वाहन न चलाये, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का सही प्रकार से प्रयोग करें आदि यातायात नियमों का पालन अवश्य किया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने बताया कि वाहन चलाते समय स्वयं का ध्यान रखते हुए दूसरों का ध्यान भी रखें, नशे की हालत में वाहन बिल्कुल न चलायें। उन्होंने कहा कि गलत तरीके से वाहन को पार्क न करें, वाहन को पार्किंग में ही खड़ा करें, यदि सड़क पर कोई व्यक्ति घायल पड़ा है तो उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया जाये और सक्षम नहीं है तो पुलिस को सूचित करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल ने बताया कि यातायात जागरुकता कार्यक्रम एक माह तक चलेगा। इस माह में लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरुक किया जायेगा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक यातायात श्री सुभाष चन्द गंगवार, अपर जिलाधिकारी नगर सुश्री ज्योति सिंह, एसपी सिटी, एसपी ग्रामीण, आरटीओ श्री प्रणव झा, पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात सहित स्कूलों के प्रधानाचार्य, अध्यापक एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहें। प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन राज्य कर अनुभाग-5 लखनऊ के शासनादेश दिनांक 08 अक्टूबर 2024 के माध्यम से प्रदेश में बंद पडे अथवा घाटे में चल रहे छविगृहों को पूर्ण रुप से तोड़कर उसके स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त लघुक्षमता के सिनेमा हाल सहित व्यावसायिक काम्प्लेक्स के निर्माण, पुराने बंद पड़े एवं संचालित सिनेमाघरों के भवन की आन्तरिक संरचना में परिवर्तन (रिमॉडल) कर पुनः संचालित होने वाले सिनेमाघरों, प्रदेश में बंद पड़े एकल सिनेमा घरों को बिना किसी आन्तरित सरंचना में परिवर्तन किए यथास्थिति में पुनः संचालित करने वाले सिनेमाघरों, व्यावसायिक गतिविधियों सहित/रहित, न्यूनतम 75 आसन क्षमता के एकल स्क्रीन सिनेमाघरों के, के निर्माण, जिन जनपदों में मल्टीप्लेक्स निर्मित/ संचालित है विभाग कलक्टेऊट परिसर मुरादाबाद में संपर्क स्थपित कर सकते है।

एटा में तैनात दरोगा की हार्ट अटैक से मौत, सुबह-सुबह सीने में उठा दद...अस्पताल ले जाते समय गई जान

मिरहची थाने में तैनात उप निरीक्षक के सुबह-सुबह सीने में तेज दर्द उठा। साथी उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे थे। यहां उनकी हालत और भी बिगड़ गई।

अलीगढ़ के लिए रेफर किया गया था। एटा के थाना मिरहची में तैनात दरोगा की मौत हो गई। सुबह-सुबह सीने में तेज दर्द हुआ। ही उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां से दरोगा को अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। रास्ते में उनकी सांसें थम गईं। दरोगा की मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनों में कोहराम मच गया। मिरहची थाने में तैनात उप निरीक्षक अमरीश चौधरी 1991 के बैच में पुलिस में भर्ती हुए थे। सोमवार की सुबह सीने में दर्द हुआ। साथी उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां से उपचार के लिए उन्हें अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। अलीगढ़ ले जाते समय रास्ते में उनकी सांसें थम गईं। बताया गया है कि दिवाली से पहले ही अमरीश चौधरी का पदोन्नत्ति हुई थी और वे दरोगा बने थे। अमरीश चौधरी गांव लोहर्रा थाना लोधा जिला अलीगढ़ के रहने वाले थे। उनकी मौत की सूचना पर परिवारीजनों में कोहराम मच गया।

गले में च्युइंग गम चिपकने से पांच साल के बच्चे की मौत, मचा कोहराम

कानपुर में दिल को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। गले में च्युइंग गम चिपकने से पांच साल के बच्चे की जान चली गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।बर्रा जरौली फेस-1 में रहने वाले राहुल कश्यप के पांच साल के बेटे अन्वित के गले में च्युइंग गम चिपकने से मौत हो गई। अन्वित ने रविवार शाम मोहल्ले की एक दुकान से च्युइंग गम खरीदकर खाया था। खाने के बाद बच्चे के गले में फंस गई और फिर उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी। बच्चे की हालत बिगड़ते ही मां सोनालिका ने उसे पानी पिलाया तो कुछ देर के लिए बच्चे को राहत जरूर मिली लेकिन फिर सांस लेने में और तकलीफ होने लगी।इसके बाद माता-पिता अन्वित को पास के निजी अस्पताल और वहां से इलाज न मिलने पर दूसरे अस्पताल ले गए।

इस दौरान मासूम करीब 3 घंटे तक तड़पता रहा। इसके बाद उसकी मौत हो गई। सोमवार सुबह सूचना मिलने पर बर्रा पुलिस राहुल के घर गई और बेटे के शव का पोस्टमार्टम कराने को कहा लेकिन परिजनों ने इनकार कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

यूपी में वकीलों की हड़ताल; गाजियाबाद में वकील धरने पर बैठे, झांसी में कामकाज ठप; CM के नाम ज्ञापन सौंपा

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बीते दिनों जिला कोर्ट में वकीलों पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। गाजियाबाद ही नहीं झांसी में भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो चुका है।कचहरी में सुबह से ही धरना प्रदर्शन जारी है। सुबह 10 बजे वकीलों ने अदालत में जाने वाले सभी गेट बंद कर दिए। वकीलों की मांग है कि जिला जज को बर्खास्त किया जाए। बार एसोसिएशन गाजियाबाद का धरना बार परिसर में चल रहा है, जबकि जिला बार एसोसिएशन गाजियाबाद का धरना कचहरी में चौराहे पर जारी है। 29 अक्तूबर को जनपद न्यायालय में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में पूरे प्रदेश में अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। दीवाली की छुट्टियों के बाद आज कोर्ट खुलने पर वकील हड़ताल पर हैं। वकील किसी मामले में कोर्ट में पेश नहीं हो रहे हैं। कोर्ट खुली हैं और न्यायिक अधिकारी भी बैठे हुए हैं। लेकिन वकील कोर्ट में पेश नहीं हो रहे हैं। कोर्ट में अपने मामलों में आने वाले वादकारियों को तारीख मिल रही है।झांसी में वकीलों की हड़ताल जारी- गाजियाबाद की जिला जज कोर्ट से दूसरे कोर्ट में केस ट्रांसफर के आमला को लेकर हुऐ विवाद के वाद वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में दोषी अफसरों पर करवाई की मांग को लेकर आज जिला अधिवक्ता संघ ने काम बंद कर हड़ताल पर हैं। इतना ही नहीं जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। गाजियाबाद की जिला कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज कार्रवाई के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल शुरू हो गई है। बार सभागार में अधिवक्ता धरने पर बैठ गए हैं। बार सभागार के बाहर बार एसोसिएशन गाजियाबाद का धरना अलग से चल रहा है। सेल्स टैक्स बिल्डिंग के बाहर जिला बार एसोसिएशन से जुड़े वकीलों का धरना चल रहा है। दोनों धरने में जिला जज पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। वकीलों ने आज कोर्ट कैंपस के अंदर जाने वाले सभी गेट पर ताला मारकर बंद कर दिया है।बार काउंसिल आफ यूपी की जांच समिति भी कचहरी आई- बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश की पांच सदस्यीय जांच समिति भी आज कचहरी में मौजूद है। समिति में पूर्व अध्यक्ष रोहिताश अग्रवाल, मधुसूदन त्रिपाठी, अरुण कुमार त्रिपाठी, अजय यादव और प्रशांत सिंह अटल शामिल किए गए हैं। समिति अधिवक्ताओं से बात कर अपनी रिपोर्ट चेयरमैन को सौंपेगी।

सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ कराएंगे अभिनेता राजपाल यादव, पैतृक गांव में होगा आयोजन

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव शाहजहांपुर जनपद के कुंडरा गांव के रहने वाले हैं। सोमवार को शहर आए राजपाल यादव ने कहा कि 2026 में कुंडरा गांव में विश्व कल्याण के लिए सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शाहजहांपुर में फिल्म अभिनेता राजपाल यादव ने कहा कि विश्व कल्याण के लिए वर्ष 2026 में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन होगा। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सामाजिक है। पूरे रुहेलखंड के लोग इसमें शामिल होंगे। मूलरूप से बंडा के कुंडरा गांव के रहने वाले राजपाल यादव ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस बार दीपावली के अवसर पर वह

अपने गांव पहुंचे। सोमवार को शहर में आए राजपाल यादव ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि वर्ष 2009 में बंडा के कुंडरा में संत दद्दा जी महाराज ने कार्यक्रम को अपनी निगरानी में कराया था। इस बार उनकी स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें सभी लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यज्ञ में सारी व्यवस्था का इंतजाम किया जाएगा। आने वाले लोगों के लिए टेंट के साथ ही लंगर की व्यवस्था रहेगी। राजपाल यादव ने दो दिन पहले डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह से मिलकर कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी। वह एसपी राजेश एस. से भी मिले थे।

27000 प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने की बात का सरकार ने किया खंडन, कहा- ये निराधार और भ्रामक

यूपी में कोई भी प्राइमरी स्कूल बंद नहीं होने जा रहा है। मीडिया में चल रही ऐसी खबरों का सरकार ने खंडन किया है।यूपी में 27 हजार प्राथमिक विद्यालय बंद होने की बात का सरकार ने खंडन कर दिया है। बेसिक शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा कि मीडिया में ऐसी खबरें चल रही हैं जिनमें प्रदेश के 27000 हजार विद्यालयों को बंद करने की बात कही जा रही है। यह बातें निराधार और भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई प्रक्रिया गतिमान नहीं है। एक बयान जारी करते हुए कंचन वर्मा ने कहा कि 27000 प्राथमिक विद्यालयों को निकटवर्ती विद्यालयों में विलय करते हुए बंद करने की बात कही जा रही है। यह बिल्कुल भ्रामक एवं निराधार है। प्रदेश में किसी भी स्कूल को बंद नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का प्राथमिक शिक्षा विभाग विद्यालयों में मानव संसाधन और आधारभूत सुविधाओं के विकास, शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने तथा छात्रों, विशेषकर बालिकाओं के, ड्राप आउट दर को कम करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। इस दृष्टि से समय-समय पर विभिन्न अध्ययन किए जाते हैं। हमारा उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करना है। शुरू हो गया था राजनीतिक विरोध, प्रियंका और मायावती हुई थीं हमलावर- उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है। यह कदम शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ दलित, पिछड़े, गरीब और वंचित तबकों के बच्चों के खिलाफ है। यूपीए सरकार शिक्षा का अधिकार कानून लाई थी जिसके तहत व्यवस्था की गई थी कि हर एक किलोमीटर की परिधि में एक प्राइमरी विद्यालय हो ताकि हर तबके के बच्चों के लिए स्कूल सुलभ हो।कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का मकसद मुनाफा कमाना नहीं बल्कि जनता का कल्याण करना है। भाजपा नहीं चाहती कि कमजोर तबके के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो। मायावती ने कहा कि यह फैसला उचित नहीं - बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम छात्रों वाले बदहाल 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने का फैसला उचित नहीं है। ऐसे में गरीब बच्चे आखिर कहां और कैसे पढ़ेंगे। राज्य सरकार को दूसरे स्कूलों में उनका विलय करने के बजाय उनमें जरूरी सुधार करके बेहतर बनाने के उपाय करने चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि यूपी व देश के अधिकतर राज्यों में खासकर प्राइमरी व सेकंडरी शिक्षा का बुरा हाल है। इसकी वजह से गरीब परिवारों के करोड़ों बच्चे अच्छी शिक्षा से दूर होने के साथ सही शिक्षा से भी वंचित हैं। ओडिसा सरकार द्वारा कम छात्रों वाले स्कूलों को बंद करने का फैसला भी अनुचित है। सरकारों की इसी गरीब व जनविरोधी नीतियों का परिणाम है कि लोग प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने को मजबूर हो रहे हैं। जैसा कि सर्वे से स्पष्ट है, लेकिन सरकार द्वारा शिक्षा पर समुचित धन व ध्यान देकर इनमें जरूरी सुधार करने के बजाय इनका बंद करना ठीक नहीं है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

यूपी में मानवता शर्मसार: नवजात को मिट्टी में दबाया... रोने की आवाज सुनकर लोगों ने बचाया; मां का न पसीजा दिल

यूपी से शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां नवजात बच्ची को मिट्टी में दबा दिया गया। रोने की आवाज सुनकर लोगों ने नवजात को बचाया। बच्ची जिला अस्पताल में भर्ती है।भाई दूज वाले दिन जहां लोग अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हैं। इसी भाई दूज वाले दिन संभल जिले के नखासा थाना इलाके के मन्नीखेड़ा गांव में नवजात बेटी के साथ दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। किसी ने नवजात बच्ची को सरसों के खेत में जिंदा दफना दिया। गनीमत रही कि उसके चेहरे का कुछ हिस्सा खुला रह गया था। बच्ची के रोने की आवाज पास में खेल रहे कुछ बच्चों ने सुन ली और उन्होंने शोर मचा दिया।मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने खेत में दबाई गई बच्ची को निकाला। बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार की शाम गांव मन्नीखेड़ा में कुछ बच्चे खेल रहे थे। इस दौरान उन्होंने सरसों के खेत से किसी बच्चे की रोने की आवाज सुनी। बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंच गए। आनन फानन मिट्टी को हटाकर लोगों ने बच्ची को बाहर निकाला। बच्ची की नाल भी नहीं कटी है। इसके बाद ग्रामीणों ने खेत से बच्ची मिलने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस का मानना है कि बच्ची को शाम के वक्त ही खेत में दबाया गया है और आरोपी आसपास के हो सकते हैं। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आंख और नाक में चली गई थी मिट्टी- जिला अस्पताल के डॉक्टर जफर कमाल ने बताया कि नवजात बच्ची को देखकर लगता है कि उसका जन्म कुछ घंटे पहले ही हुआ है। जन्म के तत्काल बाद उसे खेत में दबा दिया गया। खेत में दबाए जाने की वजह से उसकी आंख और नाक में मिट्टी चली गई थी, जिसे साफ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जन्म लेने के बाद बच्चों को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। उसे घूल मिट्टी से बचाना होता है। वहीं यह बच्ची मिट्टी में दबी रही और उसका स्वस्थ होना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

दुकानदार ने किया आत्महत्या का प्रयास, वाल्मीकि आश्रम के महंत पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

वाल्मीकि आश्रम के महंत की प्रताड़ना से परेशान होकर दुकानदार ने आत्महत्या का प्रयास किया। आसपास के लोगों ने उसे किसी तरह बचाया। दुकानदार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया

गया है। चित्रकूट जिले के वाल्मीकि आश्रम के महंत पर दुकानदार ने उत्पीड़न का आरोप लगाया। बताया कि 40 साल से वह मंदिर के पहाड़ के नीचे दुकान लगाकर जीवन यापन करता है। लगातार महंत की प्रताड़ना से परेशान है। सोमवार को दुकानदार ने पेड़ पर चढ़कर फंदा लगाने का प्रयास किया। यह देखकर आसपास के लोगों ने उसे किसी तरह बचाया। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दुकानदार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

डिनर पर हुआ झगड़ा: रेस्टोरेंट में पति ने पत्नी के साथ किया ये काम... इस बात से चिढ़ गया था आरोपी

नोएडा में दंपती में डिनर पर झगड़ा हो गया। रेस्टोरेंट में पति ने पत्नी का ऐसा हाल कर दिया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। महिला का इलाज चल रहा है।नोएडा के सेक्टर-18 के एक रेस्टोरेंट में रविवार रात खाना खाने गये पति-पत्नी के बीच किसी बात पर झगड़ा हो गया। पति अपना आपा खो बैठा। बाहर निकल चाय की दुकान से अदरक काटने वाली चाकू ले आया। फिर पत्नी पर चाकू से कई वार किए। रेस्टोरेंट के अंदर हुई इस घटना से अफरातफरी मच गई। महिला के पेट पर चाकू से किए गए वार से घाव हुए हैं। इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह केस तबस्सुम मूल निवासी बागपत की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस को दी गई शिकायत में तबस्सुम ने बताया है कि कुछ दिनों से उनकी पति उस्मान से अनबन चल रही है। इसको लेकर तबस्सुम ने कई बार पुलिस सहायता के किए यूपी-112 पर कॉल भी किया लेकिन बात आपसी समझौते पर खत्म हो जा रही थी। रविवार को तबस्सुम अपनी पढ़ाई के दस्तावेज पति से लेने सेक्टर-18 मार्केट आई थी। यहां एक रेस्टोरेंट में दोनों खाने के लिए बैठे। बातों में तबस्सुम ने यह फैसला लिया कि अब वह उस्मान के साथ नहीं रहेगी। आरोप है कि इसके बाद उस्मान पास की चाय की दुकान से चाकू ले आया और तबस्सुम पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। पहले गले पर मारा जिसे तबस्सुम ने अपने हाथ से रोका तो चाकू उसके बाएं हाथ की अंगुलियों पर लग गया। इसके बाद उस्मान ने पेट पर कमर के पास चाकू से कई वार किए। पुलिस का कहना है शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

OWN STATE

www.knlslive.com

05 November 2024

एसआई भर्ती। सूरजपुर के चयनित अभ्यर्थियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने दी शुभकामनाए

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। हाल ही में एसआई परीक्षा परिणाम जारी किए गए है जिसमें सूरजपुर जिले के कई अभ्यथियों का चयन हुआ है जो सूरजपुर जिले के लिए बड़े ही गर्व की बात है। सोमवार, 04 नवम्बर 2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने चयनित हुए सूरजपुर के अभ्यर्थी राहुल गौतम, ज्योति सिंह पुहुप, कमलेश्वर प्रजापति, अनूक साय एवं साईबर सेल में पदस्थ आरक्षक संतलाल यादव को एसआई में सलेक्ट होने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना दी और उन्हें मार्गदर्शन भी दिया। इस अवसर पर एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अभ्यर्थियों की मेहनत को सराहा और कहा कि आपके बुलंद हौसले और मुकाम हासिल करने के जज्बे से ही आपको सफलता मिली है। ट्रेनिंग के दौरान आने वाली समस्या एवं निदान के बारे में जानकारी साझा किया। उन्होंने कहा कि सब इंस्पेक्टर से भर्ती होकर आप वरिष्ठ पदों तक जा सकते हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश में बेहतर कार्य दक्षता का प्रदर्शन करेंगे तो आपको पुलिस विभाग में अच्छा पहचान मिलेगा।

अंधे कत्ल की गुत्थी को थाना जयनगर पुलिस ने किया 24 घंटे के भीतर खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। दिनांक 01.11.24 को ग्राम रविन्द्रनगर निवासी प्रार्थी सजीत सोम ने थाना जयनगर में सूचना दिया कि इसके बुआ का लड़का गौतम दास पिता गोविन्द दास उम्र 40 वर्ष का दिमागी हालत ठीक नहीं है तथा अपने घर में अकेला रहता था, दिनांक 31.10.24 के दरम्यिानी रात किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दिया गया है। सूचना पर मर्ग कायम किया गया। मामले की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना प्रभारी, एफएसएल व डॉग स्क्वार्ड की टीम को मौके पर जाकर बारीकी से साक्ष्य संकलन करने, सभी पहलुओं पर जांच करने और अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना जयनगर की पुलिस मौके पर पहुंची और शव पंचनामा के बाद शव को पीएम के लिए भेजा। डॉक्टर के द्वारा शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृतक की मृत्यु हत्यात्मक प्रकृति का लेख किए जाने पर अपराध क्रमांक 227/24 धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के थाना जयनगर पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संदेही मुकेश राजवंशी पिता निखिल राजवंशी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम रविन्द्रनगर, हालमुकाम ग्राम संजयनगर को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर घटना दिनांक 31/10/24 दीपावली के दरम्यानी रात जुआ खेलने से पैसा हार जाने के बाद और जुआ खेलने हेतु पैसा मांगना एवं गौतम दास के द्वारा पैसा देने से मना करने, झगड़ा-विवाद करने पर लोहे के टांगी एवं वाइपर के वाईपर से हत्त्या के उद्देश्य से प्रहाकर कर बिस्तर के नीचे पोटली में रखे 1500 रूपये लेकर भाग जाना बताया है। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाजरब जप्त कर आरोपी मुकेश राजवंशी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर नरेन्द्र सिंह, एसआई सोहन सिंह, एएसआई प्रवीण राठौर, रघुवंश सिंह, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र एक्का, संतोषी वर्मा, आरक्षक विकास मिश्रा, दिलपाल कसेरा, श्याम सिंह, नीरज सिंह, जयदेव भारती, नीरज झा, रवि राजवाड़े व महिला आरक्षक चन्द्रा सिंह सक्रिय रहे।

एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर लगातार कर रहे थाना-चौकी का आकस्मिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। थाना-चौकी क्षेत्र की पुलिसिंग, कार्यवाही में पारदर्शिता एवं बल की सजगता के आंकलन करने के साथ ही थाना-चौकी की कार्यप्रणाली को परखने, आमजनता के समस्याओं का त्वरित निराकरण कराने एवं क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का जायजा लेने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर रविवार, 03 नवम्बर 2024 को थाना प्रेमनगर, चौकी तारा एवं उमेश्वरपुर पहुंचे तथा किए जा रहे पुलिसिंग के बारे में ग्रामीणों से फिडबेक लिए। एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने सर्वप्रथम इन थाना-चौकी भवन जायजा लिया और क्षेत्र में किए जा रहे पुलिसिंग के वाकिफ हुए। उन्होंने प्रभारियों को कहा कि पुलिस की प्रत्येक कार्यवाही निष्पक्षता से हो ताकि आमजनता का पुलिस से संबंध मधुर हो और नागरिकगण पुलिस की प्रत्येक कार्यवाही में सहयोग करें। आगामी दिनों में धान की कटाई को लेकर वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए इसका विशेष ध्यान देने, जन सामान्य की शिकायतों को पूर्णत: गंभीरता से सुने एवं त्वरित कार्यवाही करने, विवाद की स्थिति पर प्रतिबंधक कार्यवाही एवं बाउण्ड ओव्हर की कार्यवाही सुनिश्चित करने, आपराधिक मामले में फरार चल रहे आरोपियों की हरसंभव पतासाजी कर जल्द पकड़ने के कड़े निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा विजिट के दौरान थाना-चौकी के विभिन्न रजिस्टर, डॉक्यूमेंट, तख्तियों, गोशवारा, जप्ती माल, शासकीय संपत्ति का रखरखाव, अधिकारी व जवानों का टर्न आउट, थाना और परिसर के साफ सफाई, अधिकारियों कर्मचारियों के कार्यालयीन कार्य दक्षता, क्षेत्र की समझ और विवेचना सम्बन्धी ज्ञान का अवलोकन किये। इस दौरान उन्होंने थाने के अधिकारियों, कर्मचारियों, जवानों को पुलिस की गरिमा के अनुरूप कार्य करने एवं समयबद्ध रूप से अनुशासित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने व अपराध, शिकायत, मर्ग का शीघ्र निकाल करने एवं अपराधियों, गुंडा, बदमाश, उपद्रवियों और असमाजिक तत्वों पर अपराध पंजीबद्ध एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने निर्देशित किये। एसएसपी ने आम नागरिकों से क्षेत्र की पुलिसिंग का लिया फिडबेक। एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर भ्रमण के दौरान आम नागरिकों से मुखातिब होते हुए उन्होंने थाना-चौकी के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की। जिस पर विभिन्न ग्रामों के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पुलिस की कार्यवाही अच्छी है और शहर-गांव में पुलिस की और पेट्रोलिंग बढ़ाने की आवश्यकता है जिस पर उन्होंने जल्द पेट्रोलिंग बढ़ाये जाने की बात कही।

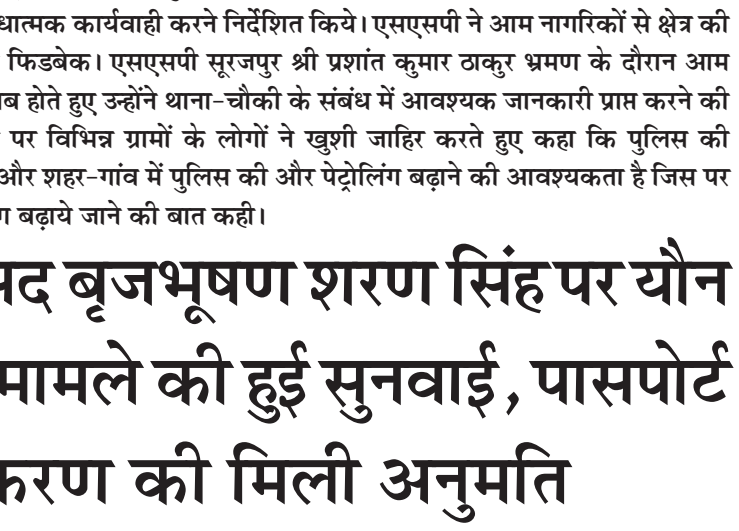

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण मामले की हुई सुनवाई, पासपोर्ट नवीनीकरण की मिली अनुमति

कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण मामले की सुनवाई दिल्ली की राउंज एवेन्यू कोर्ट में हुई। सुनवाई के बाद उन्हें पासपोर्ट नवीनीकरण की अनुमति मिल गई।उत्तर प्रदेश के कैसरगंज सीट से पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को पासपोर्ट के नवीनीकरण की अनुमति कोर्ट से मिल गई है। उनके पासपोर्ट की वैधता इसी महीने समाप्त हो रही थी।

इसके लिए पूर्व सांसद ने कोर्ट में अनुमति के लिए अर्जी लगाई थी। दरअसल, पूर्व सांसद के महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों की सुनवाई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सोमवार को हुई। उन्होंने पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। पूर्व सांसद का पासपोर्ट की वैधता इसी महीने समाप्त हो रही थी। कोर्ट में गंभीर मामले की सुनवाई होने से अनुमति जरूरी थी। नहीं दर्ज हो सका पहलवान का बयान- फिलहाल, कोर्ट का रुख सकारात्मक रहा। अनुमति हासिल होने के बाद अब पूर्व सांसद अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण करा सकेंगे। इसके अलावा कोर्ट में एक पहलवान का बयान भी दर्ज होना था, जो नहीं हो सका। बताया गया कि पहलवान कुश्ती प्रतियोगिता में देश से बाहर हैं। सुनवाई के लिए लंबी अवधि की तिथि तय होने की अर्जी नामंजूर- अब कोर्ट ने मामले की सुनवाई की तिथि 14 नवंबर 2024 तय किया है। पूर्व सांसद पर छह में पांच आरोप तय होने के बाद कोर्ट में सुनवाई हो रही है। पूर्व सांसद के अधिवक्ता की ओर से सुनवाई के लिए लंबी अवधि की तिथि तय होने की अर्जी को कोर्ट ने नामंजूर कर दिया है।

श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में 6 से 9 नवंबर के बीच आयोजित होगा अंडर-19 के क्रिकेट मैच

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। बरेली में दूसरी बार बी.सी.सी.आई. के घरेलू क्रिकेट के अंतर्गत कूच बेहार ट्राफी अंडर-19 के मैच का आयोजन हो रहा है। नैनीताल रोड स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के परिसर में स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में 6 नवंबर से 9 नवंबर के बीच आयोजित होने वाले इस मैच को सफल बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसकी जानकारी देने के लिए सोमवार को चार नवंबर स्टेशन रोड स्थित होटल में प्रेस वार्ता आयोजित हुई। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से आयोजित कांफ्रेस में एसोसिएशन के संरक्षक और एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने बताया कि यूपीसीए जिम्मेदारी सौंपी गई है। बरेली में आयोजित होने वाला यह बी.सी.सी.आई. क्रिकेट स्टेडियम में यह मैच उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की टीमों के बीच क्रिकेट प्रेमियों और बरेली वासियों के लिए गर्व व हर्ष का विषय है और नवंबर से 15 नवंबर 2022 के बीच कूच बेहार ट्राफी अंडर-19 का मैच मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित हो चुका है। जो उत्तर प्रदेश और एंड टेक्नोलॉजी स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम दूसरी बार कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट अपनी स्थापना से ही खेलों के माध्यम से को देखते हुए, उन्हें कुशल प्रशिक्षकों के माध्यम से क्रिकेट के गुर सिखाने प्रदेश स्तरीय कई क्रिकेट प्रतिभाएं उभरीं। जिसमें अनंत भटनागर, शुभम टीम में स्थान बनाया अनंत ने वर्ष 2014 में राजसिंह डूंगरपुर ट्राफी में उ.प्र. जीत दिलाई। वर्ष 2017 में अनंत के नेतृत्व में उ.प्र की अंडर 14 टीम जीती। कूच बेहार ट्राफी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दोनों प्रदेशों की के बीच मैच आरंभ होगा। इसका उद्घाटन सुबह 8.30 किया जाएगा। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सीताराम सक्सेना ने कहा कि बरेली क्रिकेट एसोसिएशन काफी दिनों से बरेली में क्रिकेट आयोजित करने का प्रयास कर रहा था। बरेली क्रिकेट एसोसिशन में संरक्षक के रूप में आदित्य मूर्ति जी के आने के बाद एसोसिएएशन को कूच बेहार ट्राफी के दूसरे मैच के आयोजन के रूप में यह दूसरी बड़ी सफलता मिली है। मैच आवंटित करने से पहले बी.सी.सी.आई. और यू.पी.सी.ए. के पदाधिकारियों ने श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम का अवलोकन किया था। यहां उपलब्ध सुविधाओं और ग्राउंड के मानकों पर खरा उतरने के उपरांत श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को दूसरी बार कूच बेहार ट्राफी मैच कराने के लिए चुना गया। श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में क्रिकेट ग्राउंड बनने के बाद से ही बरेली क्रिकेट एसोसिएएशन यहां मैच आयोजित कराने का लगातार प्रयास कर रहा था। ऐसे में श्रीराममूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में कूच बेहार ट्राफी का मैच खेला जाना, हम सबके साथ बरेली के लिए भी महत्वपूर्ण और सौभाग्य की बात है। अगर बरेली में एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड नहीं होता तो हमें यह मैच नहीं मिलता। बरेली को क्रिकेट की अत्याधुनिक सुविधायुक्त स्टेडियम देने के लिए देव मूर्ति और एसआरएमएस ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया ।।

संक्षिप्त समाचार

चार दिनों से सुलग रही आग धुँए से परेशान आवाम,फायरबिग्रेड ने आकर बुझाई आग

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।शहर का प्रसिद्ध बाजार इंदिरा मार्केट ज़िला पंचायत की ओर पानी की टँकी परिसर पर कूड़ा करकट जमा है कूड़े में चार दिनों से आग सुलग रही थी,आज जब आसपास रहने वाले लोगों और ज़िला पंचायत कार्यालय के लोग धुँए की समस्या से परेशान हुए जब ज़िला पंचायत के लोगो ने फायरबिग्रेड को सूचना दी तब फायरबिग्रेड ने आग बुझाई।दुकानदारों का कहना है कि हर रोज़ कूड़े की गाड़ियां आती रहती है बदबू और गन्दगी से बाजार में आने वाले राहगीरों और आसपास के रहने वाले रिहाइशी लोगों के साथ दुकानदारों को समस्या से जूझना पड़ता है,छुट्टा पशु दिनभर कूड़े में जमा रहते है,वो कूड़ा फैला देते है चार दिनों से कूड़े में आग सुलग रही थीं,और धुंआ फैला हुआ था,आज जब ज़्यादा धुँआ और आग बड़ी तो फायरबिग्रेड को सूचना दी गई तब आग बुझी।यहां पर प्रदूषण के कारण सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है और बदबू भी बहुत आती है। जनसेवा टीम के अध्यक्ष पम्मी ख़ाँ वारसी ने भी मौके पर जाकर देखा और लोगों से बातचीत की लोगों ने अपना दर्द बताया,इंदिरा मार्केट के कूड़ाघर से हररोज़ कूड़ा उठाने की व्यवस्था की जाये बाज़ार के बीच मे कूड़े की समस्या होने से राहगीरों को दिक्कतें होती है प्रतिदिन इंदिरा मार्केट में हज़ारो लोग दूरदराज से खरीदारी के लिये आते है।इस समस्या का हल नगर निगम प्रशासन को करने की आवश्यकता है।इंदिरा मार्केट में कूड़े की समस्या के साथ साथ यहाँ कि सड़क भी गड्डो से मुक्त करते हुए जल्द सड़क निर्माण कराया जाये।

जमीन पर गिरा प्लेन- आगरा में वायु सेना का मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त, पायलट और को-पायलट ने कूदकर बचाई जान

हादसे के बाद पायलट और उसके साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रेश होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। आगरा में सोमवार को वायु सेना का विमान मिग-29 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और को-पायलट ने कूदकर जान बचाई। वायुसेना की ओर से जारी बयान

में बताया गया है कि नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तकनीकि खराबी आने से ये हादसा हुआ। इस पूरा हादसे की जांच कराई जाएगी। दो किलोमीटर दूर मिले पायलट- बताया जा रहा है कि हादसे के बाद पायलट और उसके साथी दो किलोमीटर दूर मिले हैं। गनीमत रही कि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को कागारौल के सोनिगा गांव के पास खाली खेतों में गिराया। यदि आबादी वाले हिस्से में विमान क्रैश होता तो बड़ी क्षति हो सकती थी। पंजाब से भरी थी विमान ने उड़ान- शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह मिग-29 विमान था, जो पंजाब के आदमपुर से उड़ा था। फिलहाल घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ है। मौके पर पुलिस बल भी पहुंच गया है। बॉबी के खेत में गिरा विमान- थाना कागरोल क्षेत्र के गांव बघा और बहा के बीच में किसान बॉबी के खेत में यह विमान क्रैश हुआ है। स्थानीय निवासी अजय चाहर ने बताया कि आज का जला हुआ विमान उनके गांव नारोल के ऊपर होकर गुजरा था, पायलट की सूझबूझ से विमान गांव पर नहीं गिरा नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। एयरफोर्स की टीम मौके पर पहुंच गई है। फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियां ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। दिए गए जांच के आदेश- भारतीय वायुसेना ने जारी बयान में कहा कि एक मिग-29 विमान आज नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सिस्टम में खराबी आने के बाद आगरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

Apply castor oil in the navel before sleeping, arthritis pain will go away and digestion will also remain fine

You must know how beneficial castor oil is for skin and hair, but do you know how beneficial it can be to apply it to your navel every day (Benefits of Castor Oil on Navel). You will be surprised to know that if you apply this oil on the navel, then there are many health benefits.

Let's know. Applying castor oil on the navel can be very beneficial for your health. Applying oil on the navel has been going on in Ayurveda for many years. Applying oil on the navel also keeps digestion healthy. The process of applying oil to the navel has been going on since ancient times. The navel is considered one of the energy centers of the body. Applying oil to the navel can help balance the flow of energy. Many people believe that applying oil to the navel helps balance the digestive system, reducing gas, bloating, and other digestive problems. Along with this, the skin also remains shiny. There are many benefits of applying castor oil to the navel. The navel is considered to be the central point of the body. Here it connects to many organs through veins. Therefore, applying oil to the navel gives many benefits to the body. So let's know what are the benefits of applying castor oil to the navel. Benefits of applying castor oil on the navel- Helps in digestion - Castor oil is what we call castor oil. It is used as a laxative, which helps in relieving constipation. By applying it to the navel, it goes into the stomach and stimulates the digestive organs, which provides relief from constipation. Beneficial for the skin - Applying castor oil to the navel is also beneficial for the skin. Applying oil to the navel hydrates dry skin and has anti-inflammatory properties, which can reduce skin problems. It also reduces the problem of pimples, rashes, irritation etc. Relief in arthritis- Arthritis is a problem in which there is pain and cramps in the joints. It also causes difficulty in walking. Castor oil has anti-inflammatory properties, applying it to the navel helps in reducing pain and swelling. Along with this, pain can also be reduced by massaging with it. Beneficial for hair- Applying castor oil to the navel also benefits the hair. This leads to good hair growth. Along with this, the hair becomes strong from the root. Apart from this, it also helps in reducing hair problems like dandruff etc. Helpful in periods- Some women have a lot of stomach pain during periods. Due to its anti-inflammatory properties, castor oil helps in reducing pain. Applying castor oil to the navel provides relief from pain and cramps.

If you are dreaming of becoming a mother through IVF treatment, then know what your diet should be

Are you undergoing IVF treatment and you do not know what to eat (Pregnancy Diet) and what not? If yes, then you are at the right place. Actually, in this article, we will tell you what food is beneficial during IVF treatment and what things it will be better for you to stay away from. Let's know about it. During IVF treatment, many questions arise in the mind regarding diet. Women are confused about what to eat and what not to eat during this time. It is very important to choose the right diet during IVF treatment. Whether pregnancy is through IVF treatment or naturally, during this time every woman needs to take special care of her health. For IVF treatment, especially more attention needs to be paid to lifestyle and food. Nutrients present in food are very important for both mother and child, but many women are confused about what they should eat and what not during IVF. If this question is running in your mind too, then let us answer it for you. Seasonal diseases will disappear- During this time you can also eat seasonal fruits. These fruits are rich in vitamins, nutrients and antioxidants which are very good for your and your child's health. You can include them in your diet in the form of juice or salad. Not only are they tasty but they also give freshness to your body. Stay away from these things You should take special care of your diet during IVF treatment. Completely avoid high sugar items, seafood, junk food and alcohol. These food items can harm your health and can also affect the treatment. Always choose light and easily digestible food. Therefore, having a balanced diet will keep you and your baby healthy. Protein-rich foods- Green vegetables like spinach, broccoli and gourd are not only tasty but also rich in nutrients. You can make delicious smoothies from them which are rich in antioxidants and essential nutrients like folic acid. You can make curry or soup to include green vegetables in your everyday diet. These not only keep you healthy but also make you energetic. Eat salmon fish- If you like non-vegetarian foods then you can consume salmon fish. Eating cooked salmon fish is very beneficial for health. It is rich in omega-3 fatty acids which help in improving blood flow in your body. It is very healthy. It is rich in omega-3 fatty acids which help in improving blood circulation in your body.

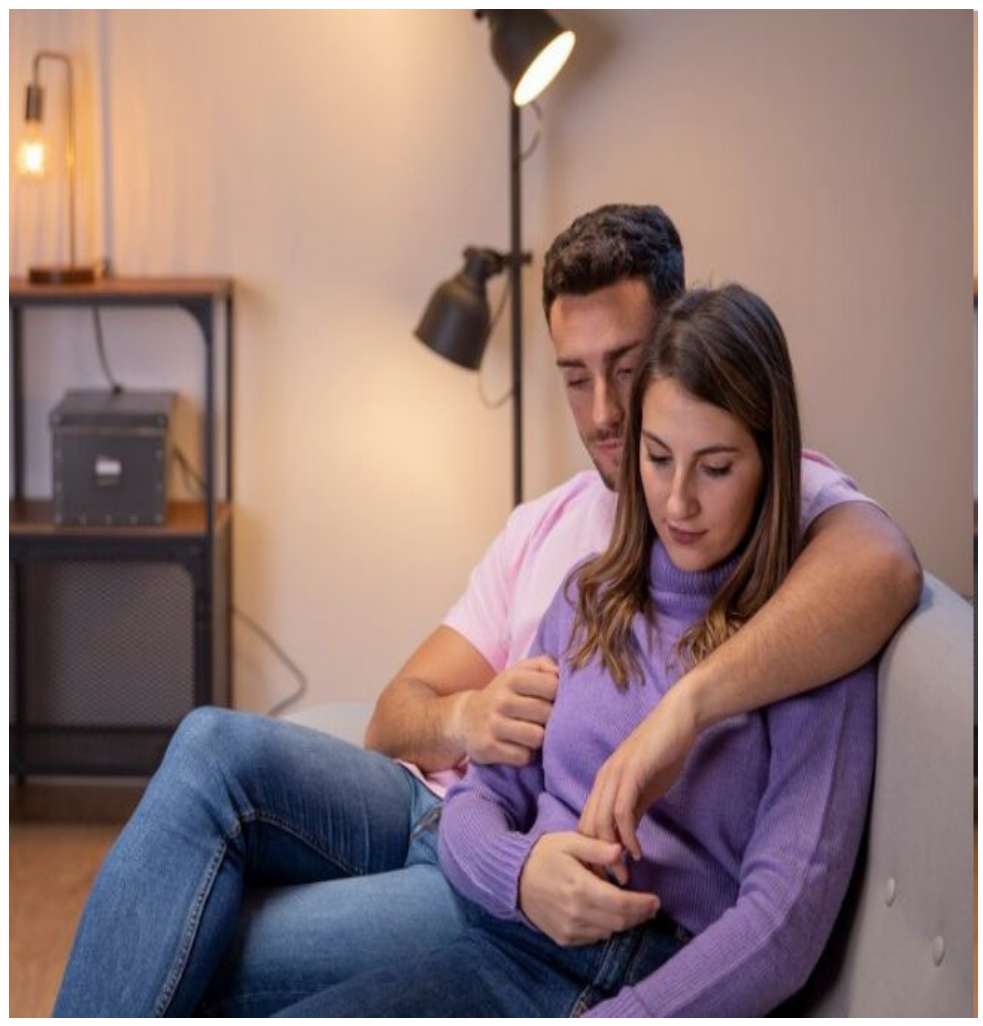

Discipline is necessary for the good upbringing of a child, bring discipline in their life with these methods

Discipline is necessary in the upbringing of children, but scolding them is not right at all. The right way is to be patient for this. Here we are telling you some such methods (Parenting Tips) by which you will be able to teach your child to stay in discipline from childhood and it will also have a very positive effect on their development. Let's know what are those methods. It is necessary to teach discipline to children for their of opposition in their mind. Children can be special place in the upbringing of children, but it while being patient with their mistakes, they and wrong, because guiding children with positive responsible. For this, the atmosphere of the house learn better by growing up and the feeling of self- some information about the techniques to teach Discipline). Let's know them. How to teach - Children learn the most from their parents. If do the same. So present an example of your good children in simple words what is expected from sleeping. This makes it clear to them what to do - Tell the children about the results of their work. of cleaning it. This helps them start praise and reward - Give immediate Like today you helped wash the dishes, it was good deeds. Teach time management - Give homework has to be finished in 20 minutes. With time and learn to stay organized. Give options- example, if you want, you can do your homework

upbringing. Scolding children can bring a feeling taught discipline in some ways. Discipline has a is not right to get it followed by scolding. For this, should be told the right way to understand right thinking makes them more confident and should also be calm and positive, in which they respect and discipline develops in them. Here is positive discipline to children (Tips To Teach Kids discipline to children? - Be a role model yourself you follow discipline and behave politely, they will behavior. Establish clear rules - Explain to them. Like put the toys in their place before and what not to do. Understanding of the result If they make a mess, give them the responsibility understanding the impact of their work. Give encouragement to children for good behavior. very good. This will motivate them to repeat their children a time limit to complete the work, like this, they start understanding the importance of Give children a chance to take decisions. For first or breakfast first. This develops their decision-making ability. Listen patiently- Listen to children carefully, this makes them understand that their feelings are respected. This helps in self-confidence and emotional balance. Use positive language- Explain to children in a calm manner instead of saying no directly. For example, instead of saying don't shout, say talk calmly. With this, they learn to listen instead of reacting. Give love and support- In every situation, make children feel that you love them, even if they are at fault. Discipline taught with love helps children learn with positivity.

Shah Rukh Khan followed the path of Ranbir Kapoor, quit smoking after 30 years, told why he had to take this step

Shah Rukh Khan (Shah Rukh Khan Smoking) was one of those celebrities who was addicted to smoking. However, after 30 years, the actor has announced that he has quit smoking cigarettes. Shah Rukh made this announcement while meeting fans on his birthday and told why he has taken such a decision after 30 years. Shah Rukh Khan has quit smoking- SRK told the reason for quitting smoking- Shah Rukh Khan will be seen in King Many stars of B-town have quit smoking at one point. Now Shah Rukh Khan's name has also been included in this list. He has said goodbye to cigarettes forever by following the path of Shahid Kapoor and Ranbir Kapoor. In a recent event, King Khan has revealed the real reason for quitting smoking. Shah Rukh Khan celebrated his 59th birthday on 2 November. This time he did not meet his fans from his bungalow Mannat, but organized a special event to meet them where he shared his heart's feelings with his fans. In this event, the Baazigar actor revealed that he has given up smoking after 30 years. This is why Shah Rukh quit smoking - In the event, Shah Rukh Khan said, "Friends, I don't smoke anymore. I thought I would not have to go through problems like shortness of breath, but I still feel it. Inshallah that will also be fine." From this statement of the actor, it seems that he has quit smoking due to breathing problems. Shah Rukh gave this advice to fans - After Shah Rukh Khan's announcement of quitting smoking, a fan also said that he would also follow his path and stop smoking. To this, the actor replied that he is not a role model, so he should do what he wants to do. After this, he advised fans not to smoke. Shah Rukh said, "After smoking for 30 years, the worst thing is to say that I am advising you not to smoke." Shah Rukh Khan's upcoming films - Shah Rukh Khan, who rocked the box office with Pathan, Jawaan and Donkey, will be seen creating a stir as King in 2026. He will rock the big screen for the first time with daughter Suhana Khan. The release date of the film has not been revealed yet, but according to reports, the movie may release on Eid 2026. Apart from King, Tiger vs Pathan is also in the list of Shah Rukh Khan's upcoming films. He will be seen with Salman Khan in it. This film is expected to come in 2027.

'Bajirao Singham' storm shook the box office, showed strength in earnings on Sunday

The buzz of action thriller Singham Again (Singham Again Box Office Collection Day 3) was building up for months. Now the film has knocked on the Diwali weekend and is preparing to become the king of the box office in no time. Let's know how much Singham Again, which earned more than 80 crores in two days, has earned on Sunday. Singham Again is the third film of the Singham franchise - The film was released on November 1 with Bhool Bhulaiyaa 3 - Singham Again crossed 100 crores within three daysSingham Again, which runs parallel to Ramayana, is roaring at the box office. This action thriller film by Rohit Shetty has been included in the biggest openers of 2024. This film of Ajay Devgan is printing more notes at the box office than Singham and Singham Returns. The action-packed Singham Again released in theaters on November 1 along with Bhool Bhulaiyaa 3. Despite the clash, action prevailed over horror comedy. Singham Again, which opened with a collection of over 40 crores, continued its magic on Sunday as well. Box office collection of Singham Again- As you must be knowing, Singham Again earned around 43.5 crores on the first day at the domestic box office and on the second day, i.e. Saturday, the collection was 42.5 crores. Even though it was one crore less, the loss was not that big. Now, the initial figures of Sunday have also come out. Will the command be lost with Singham Again?- According to the early trade of Sacnilk, Ajay Devgan starrer Singham Again has made an estimated collection of 32 crores (till the time of writing the news) at the domestic box office on Sunday. This number is expected to increase further. However, looking at the initial figures, it seems that the earnings on Sunday will probably be less than Friday and Saturday. Only the official figures can tell what happened to Singham Again on Sunday. Story and cast of Singham Again- Directed by Rohit Shetty, the story of Singham Again begins with the kidnapping of Avni (Kareena Kapoor Khan), to save whom Bajirao Singham (Ajay Devgan) goes to Sri Lanka to fight Danger Lanka (Arjun Kapoor) and Hanuman (Ranveer Singh), Laxman (Tiger Shroff) and Garun (Akshay Kumar) support Bajirao Singham to save Avni. Deepika Padukone has played the role of Lady Singham. The basis of the story is linked to Ramayana. The film stars Ranveer Singh, Deepika Padukone, Akshay Kumar, Jackie Shroff, Tiger Shroff as well as Shweta Tiwari, Dayanand Shetty in important roles. Salman Khan has a cameo in the film. He is seen as Chulbul Pandey.

You can watch 'Mithya 2' on this OTT platform, this thriller of Huma Qureshi will blow your mind

After leaving her mark on the big screen, the multi-talented actress Huma Qureshi is now dominating the OTT platform as well. After Maharani, now recently season 2 of her psychological web series Mithya has been released which is full of thriller. What is the story of this series about and where can you watch Mithya 2 Huma Qureshi was once again seen in a powerful character- When and where can you watch season 2 of 'Mithya'- The enmity of two sisters will cross all limits As Huma Qureshi is progressing in her career, she is leaving her mark not only on the big screen but also on the OTT platform. Her web series 'Maharani' was loved by the people. After this, in the year 2022, another web series of hers came, titled 'Mithya'. The first season of this web series, which tells the story of two step-sisters, received a lot of love from the audience. This is the reason why the makers have now returned with the second season of 'Mithya'. Web series Mithya Season 2 has been released. What is the story of this psychological thriller series and which platform you can watch it, let's know the full on details: - How did the story of 'Mithya' Season 2 progress? - Season 2 of Mithya begins where she gets appreciation for her book 'Dhoondh', but a writer accuses her of plagiarism, just like Riya Rajguru's step-sister Juhi accuses her at one time. In Season 1, it was shown that Riya has to go to jail due to her bad deeds. The second season is going to be even darker and full of suspense compared to the first season. Riya's evil intentions are going to be even bigger, where she not only usurps the property of her biological father, but in season 2 she will be seen breaking the bonding between him and Juhi. Juhi is a cheater in marriage like her father and she copies the work of others. Riya goes to any extent to execute her evil ideas. She not only ruins Juhi, but also gets her son kidnapped. The story of this season moves forward like this and the secrets that are revealed one after the other are worth watching in this season. When and where can you watch 'Mithya' season 2? - You can watch Mithya season 2 on the OTT platform ZEE5. In this season, Huma Qureshi will once again be seen playing the character of Juhi Adhikari. The character of Riya is played by Avantika Dasani in the series. Apart from them, Parambhrata Chatterjee, Rajit Kapoor, Sameer Soni, Indranil Sen Gupta will be seen in season 2 of 'Mithya'. Apart from this, the audience will also get to see some new faces in season 2. The way the story of 'Mithya-2' has progressed, it is not difficult to guess that the third season is also on the way.